तर जाएगा राम गुण गाने से

तर जाएगा राम गुण गाने से....

नही तरे नर तीरथ करन से, न ही गंगा नहाने से,
तर जाएगा राम गुण गाने से....

न ही तरे नर वेद पढन से, न ही कीर्तन सुनाने से,
तर जाएगा राम गुण गाने से....

न ही तरे नर दान पुण्य से, न ही भगवा रंगाने से,
तर जाएगा राम गुण गाने से....

गौतम ऋषि की नारी अहिल्या, तर गयी चरण छुआने से,
तर जाएगा राम गुण गाने से.....

जनम जनम के बंधन छुटे, आतम ज्योति जगाने से,
तर जाएगा राम गुण गाने से.....

राम रतन धन सतगुरू देय है, मन सतसंग समाने से,
तर जाएगा राम गुण गाने से.....

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/27668/title/tar-jayega-ram-gun-gaane-se

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |